इस्पात मंत्रालय

मांग संख्या 92

इस्पात मंत्रालय

क. वसूलियों और प्राप्तियों को घटाने के बाद बजट आबंटन इस प्रकार है:

(करोड़ रुपए)

	मुख्य शीर्ष	वास्तविक 2009-2010			बजट 2010-2011			संशोधित 2010-2011			बजट 2011-2012		
		आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़
	राजस्व	4.14	67.56	71.70	35.00	71.62	106.62	29.00	72.94	101.94	39.00	70.76	109.76
	पूंजी	***3.00***	...	*3.00*	*1.00*	...	*1.00*	*1.00*	...	*1.00*	*1.00*	...	*1.00*
	जोड़	**7.14**	**67.56**	**74.70**	**36.00**	**71.62**	**107.62**	**30.00**	**72.94**	**102.94**	**40.00**	**70.76**	**110.76**
1. सचिवालय- आर्थिक सेवाएं	3451	...	18.63	18.63	...	18.05	18.05	...	19.49	19.49	...	20.37	20.37
लौह तथा इस्पात उद्योग													
2. लौह और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के संवर्द्धन की योजना	2852	4.14	...	4.14	35.00	...	35.00	29.00	...	29.00	39.00	...	39.00
3. सब्सिडी													
3.01 वीआरएस के कार्यान्वयन के लिए जुटाए गए ऋणों के संबंध में हिन्दुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड को ब्याज सब्सिडी	2852	...	42.95	42.95	...	48.69	48.69	...	48.69	48.69	...	46.90	46.90
3.02 वीआरएस के कार्यान्वयन के लिए बैंकों से लिए गए ऋणों के संबंध में मैकॉन लिमिटेड को ब्याज सब्सिडी	2852	...	5.05	5.05	...	4.04	4.04	...	4.04	4.04	...	2.83	2.83
जोड़- सब्सिडी		...	*48.00*	*48.00*	...	*52.73*	*52.73*	...	*52.73*	*52.73*	...	*49.73*	*49.73*
4. गारंटी शुल्क माफ करना													
4.01 हिन्दुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड	2852	...	6.10	6.10	...	6.10	6.10	...	6.10	6.10	...	6.10	6.10
4.02 मैकॉन लिमिटेड	2852	...	1.55	1.55	...	1.20	1.20	...	1.20	1.20	...	0.85	0.85
4.03 घटाइए – निवल प्राप्तियां	0075	...	-7.65	-7.65	...	-7.30	-7.30	...	-7.30	-7.30	...	-6.95	-6.95
निवल		...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...
5. ऋण की माफी													
5.01 बर्ड ग्रुप ऑफ कंपनीज	2852	...	8.06	8.06	...	...	...	...	...	...	...	...	...
5.02 घटाइए - निवल प्राप्तियां	0852	...	-8.06	-8.06	...	...	...	...	...	...	...	...	...
निवल		...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...
6. ब्याज की माफी													
6.01 बर्ड ग्रुप ऑफ कंपनीज	2852	...	720.63	720.63	...	...	...	...	...	...	...	...	...
6.02 घटाइए - निवल प्राप्तियां	0049	...	-720.63	-720.63	...	...	...	...	...	...	...	...	...

http://indiabudget.nic.in

(करोड़ रुपए)

	मुख्य शीर्ष	वास्तविक 2009-2010 आयोजना	वास्तविक 2009-2010 आयोजना-भिन्न	वास्तविक 2009-2010 जोड़	बजट 2010-2011 आयोजना	बजट 2010-2011 आयोजना-भिन्न	बजट 2010-2011 जोड़	संशोधित 2010-2011 आयोजना	संशोधित 2010-2011 आयोजना-भिन्न	संशोधित 2010-2011 जोड़	बजट 2011-2012 आयोजना	बजट 2011-2012 आयोजना-भिन्न	बजट 2011-2012 जोड़
	निवल	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...
7. सरकारी उद्यमों में निवेश	6852	3.00	...	3.00	1.00	...	1.00	1.00	...	1.00	1.00	...	1.00
8. अन्य कार्यक्रम	2852	...	0.93	0.93	...	0.84	0.84	...	0.72	0.72	...	0.66	0.66
कुल जोड़		***7.14***	***67.56***	***74.70***	***36.00***	***71.62***	***107.62***	***30.00***	***72.94***	***102.94***	***40.00***	***70.76***	***110.76***

	विकास शीर्ष	बजट सहायता	आं. ब. बा. सं.	जोड़	बजट सहायता	आं. ब. बा. सं.	जोड़	बजट सहायता	आं. ब. बा. सं.	जोड़	बजट सहायता	आं. ब. बा. सं.	जोड़
ख. सार्वजनिक उद्यम में निवेश													
7.01 भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड	12852	...	10606.00	10606.00	...	12254.00	12254.00	...	12254.00	12254.00	...	14337.00	14337.00
7.02 राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड	12852	...	2278.20	2278.20	...	4049.00	4049.00	...	2895.00	2895.00	...	3046.00	3046.00
7.03 हिन्दुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड	12852	3.00	...	3.00	1.00	...	1.00	1.00	...	1.00	1.00	...	1.00
7.04 राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड	12852	...	378.88	378.88	...	611.00	611.00	...	720.00	720.00	...	3309.00	3309.00
7.05 कुद्रेमुख लौह अयस्क कंपनी लिमिटेड	12852	...	6.15	6.15	...	75.00	75.00	...	85.00	85.00	...	98.00	98.00
7.06 मैगनीज ओर इंडिया लिमिटेड	12852	...	26.04	26.04	...	115.82	115.82	...	83.98	83.98	...	107.71	107.71
7.07 बर्ड ग्रुप ऑफ कंपनीज	12852	...	3.49	3.49	...	40.00	40.00	...	77.00	77.00	...	136.00	136.00
7.08 मैकॉन लिमिटेड	12852	...	4.73	4.73	...	2.00	2.00	...	2.27	2.27	...	2.00	2.00
7.09 एमएसटीसी लिमिटेड	12852	...	2.05	2.05	...	5.00	5.00	...	...	...	...	15.00	15.00
7.10 फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड	12852	...	10.14	10.14	...	12.00	12.00	...	12.00	12.00	...	12.00	12.00
जोड़		**3.00**	**13315.68**	**13318.68**	**1.00**	**17163.82**	**17164.82**	**1.00**	**16129.25**	**16130.25**	**1.00**	**21062.71**	**21063.71**
ग. योजना परिव्यय													
1. लोहा और इस्पात उद्योग	12852	7.14	13315.68	13322.82	36.00	17163.82	17199.82	30.00	16129.25	16159.25	40.00	21062.71	21102.71

1. **सचिवालय:** प्रावधान इस्पात मंत्रालय के सचिवालय व्यय को पूरा करने के लिए हैं

2. **लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास की संवर्धन स्कीम::** पयार्वरण के अनुकूल गुणतापरक इस्पात के किफायती उत्पादन के लिए अभिनव/उत्कृष्ट प्रौद्योगिकियों के विकास हेतु अनुसंधान एवं विकास कार्यो को बढावा देने और इनमें तेजी लाने के लिए प्रावधान किया गया है।

3. **आर्थिक सहायताएँ:** 3.01 हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड: स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना (वीआरएस) के कार्यान्वयन के लिए बैंकों से जुटाए गए ऋणों पर ब्याज के भुगतान के लिए।

3.02 मेकॉन लिमिटेड: स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना (वीआरएस) के कार्यान्वमयन के लिए कंपनी द्वारा बैंकों/न्यायसों से जुटाए गए ऋणों/बॉडों पर 50 प्रतिशत ब्याज के भुगतान के लिए।

4. **गारंटी शुल्क को माफ किया जाना:** 4.01 हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड: नकद साख और बैंक गारंटी तथा स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना (वीआरएस) के कार्यान्वयन के लिए बैंकों से जुटाए गए ऋणों के लिए भारत सरकार द्वारा दी गई गारंटी शुल्क माफ करने के लिए। इन्हें प्राप्तियों से पूरा किया जाता है।

4.02 मेकॉन लिमिटेड: स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना (वीआरएस) के कार्यान्वयन के लिए बैंकों/न्यासों से जुटाए गए ऋणों/बॉंडों के लिए भारत सरकार द्वारा दी गई गारंटी पर गारंटी शुल्क माफ करने के लिए। इन्हें प्राप्तियों से पूरा किया जाता है।

7. **सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में निवेश:** इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों द्वारा विभिन्न पूंजीगत स्कीमों के क्रियान्वयन के लिए प्रावधान किया गया है। यद्यपि सार्वजनिक क्षेत्र के अधिकतर उद्यम स्कीमों के पूंजीगत व्ययों को अपने आंतरिक एवं बजट बाह्य संसाधनों से पूरा करते हैं फिर भी वित्तीय दृष्टि से कमजोर कुछेक उद्यमों को इक्विटी निवेश ओर ऋणों के जरिए बजटीय सहायता प्रदान की जाती हैं।

7.01. **स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड:** इसके 5 प्रमुख इस्पात संयंत्र हैं जो बोकारो, भिलाई, राउरकेला, दुर्गापुर एवं बर्नपुर में स्थित हैं और तीन मिश्र एवं विशेष इस्पात संयंत्र दुर्गापुर, सेलम और भद्रावती (कर्नाटक) में स्थित है। महाराष्ट्र इलैक्ट्रोस्मेल्ट लिमिटेड जो फैरो मिश्र का उत्पादन करती है, सेल की एक मात्र सहायक कंपनी है। भारत रिफैक्ट्री लिमिटेड जो कि इस मंत्रालय के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र का एक उद्यम है का विलय भी सेल के साथ किया गया है और इसका नाम अब सेल रिफैक्ट्रीज लिमिटेड है। सेल संयंत्रों/इकाइयों और इसकी सहायक कंपनियों के योजना परिव्यय को सेल के आंतरिक और बाह्य बजटीय संसाधनों से पूरा किया जा रहा है।

(i) भिलाई स्टील प्लांट: कुल परिव्यय का अधिकांश भाग (5730 करोड़ रूपए) संयंत्र के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए है। शेष परिव्यय अन्य स्कीमों यथा 700 टीपीडी ऑक्सीजन प्लांट, कोक ओवन बैटरी संख्या 6 का पुनर्निर्माण और अन्य चल रही एवं नई स्कीमों के लिए है।

(ii) दुर्गापुर स्टील प्लांट: 950 करोड़ रूपए के कुल परिव्यय में से 775 करोड़ रूपए संयंत्र के विस्तार हेतु निर्धारित किए गए हैं। परिव्यय के तहत शामिल अन्य स्कीमों में ईआरपी का क्रियान्वयन, संबद्ध सुविधाओं के साथ ब्लूम कास्टर, बीएफ-3 और 4 में कोल डस्ट इंजेक्शन सम्मिलित हैं तथा श्रीनगर और कांगड़ा स्थित स्टील प्रोसेसिंग यूनिटों का व्यय भी इसमें शामिल हैं।

(iii) राउरकेला स्टील प्लांट: परिव्यय में शामिल बड़ी स्कीम में आरएसपी का विस्तार (2619 करोड़ रूपए) किया जाना है। अन्य स्कीमों के रूप में सीओबी संख्या 4 का पुनर्निर्माण, 700 टीपीडी ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना, कोक ओवन गैस होल्डर की स्थापना, एसएमएस-II के बीओएफ कन्वर्टरों की समकालिक ब्लोइंग और अन्य चल रही व नई योजनाएं शामिल हैं।

(iv) बोकारो स्टील प्लांट: 1700 करोड़ रूपए के परिव्यय का प्रावधान किया गया है जिसमें से 1309 करोड़ रूपए बोकारो प्लांट के विस्तार के लिए है तथा शेष धनराशि में सीओबी संख्या 1 व 2 का पुनर्निर्माण, टर्बो ब्लोडआर स्टेशन में टी बी की स्थापना, बीएफ 2 का उन्नयन, बेतिया में स्टील प्रोसेसिंग यूनिट और अन्य चल रही एवं नई स्कीमें शामिल हैं।

(v) इस्को स्टील प्लांट : प्लांट हेतु 2100 करोड़ रूपए का कुल परिव्यय आबंटित किया गया है। परिव्यय का अधिकांश भाग आरएसपी के विस्तार (2069 करोड़ रूपए) और सीओबी संख्या 10 के पुनर्निर्माण के लिए निर्धारित हैं तथा शेष धनराशि चल रही एवं नई स्कीमों के लिए हैं।

(vi) अलॉय स्टील प्लांट: इसके 25 करोड़ रूपए के परिव्यय में विभिन्न पूरी की गई स्कीमें तथा 20 करोड़ रूपए से कम लागत वाली स्कीमें शामिल हैं।

(vii) सेलम स्टील प्लांट: 100 करोड़ रूपए के कुल परिव्यय का आबंटन किया गया है। परिव्यय का अधिकांश भाग एसएसपी के विस्तार (90 करोड़ रूपए) के लिए है और शेष धनराशि कम लागत वाली विविध स्कीमों के लिए हैं।

(viii) विश्वेश्वरैया आयरन एवं स्टील लिमिटेड: इसके परिव्यय में कम मूल्य वाली विविध स्कीमें शामिल हैं।

7.02. **राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड:** प्रमुख कच्ची सामग्री के स्रोतों से दूर और तत्कालीन सोवियत रूस से तकनीकी और वित्तीय सहायता से स्थापित भारत का यह पहला तट आधारित एकीकृत इस्पात संयंत्र है। तट आधारित होने के कारण इसका फायदा है कि यह आदान सामग्री का आयात और तैयार उत्पादों का निर्यात आसानी से कर सकता है। इस परियोजना की सभी इकाइयों को जुलाई, 1992 तक चालू कर दिया गया था। इसके परिव्यय में आर आई एन एल की उत्पादन क्षमता का विस्तार 6.5 मिलियन टन करने, एएमआर स्कीमों, कोक ओवन बैटरी सं. 4 चरण-1 और 2, एयर सेपरेशन प्लांट, बीएफ 1 श्रेणी 1 मरम्मत कार्य, पलवेराइज्ड कोल इन्जक्शन, लौह अयस्क खानों एवं कोकिंग कोल खानों का अधिग्रहण, 67.5 मेगावाट क्षमता की टीजी-5 विद्मुत निकासी प्रणाली इत्यादि शामिल है। समस्त परिव्यय को कंपनी के आंतरिक एवं बजट बाह्य संसाधनों से पूरा किया जाएगा।

7.03. **हिंदुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड:** 1964 में निगमित इस कंपनी को आधुनिक इस्पात संयंत्रों का पूरा निर्माण कार्य करने और अवसंरचना के क्षेत्र में उन परियोजनाओं से संबंधित कार्य करने की विशेषज्ञता हासिल है जिनके लिए उच्च स्तर की आयोजना, समन्वय और आधुनिकतम प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता होती है । सरकार के विचाराधीन पीएसयू की पुनर्संचना हेतु योजना बजटीय सहायता का सांकेतिक प्रावधान किया गया है।

7.04. **एन एम डी सी लिमिटेड:** एन एम डी सी देश का लौह अयस्क और हीरों का एक मात्र सबसे बडा उत्पादक है। कंपनी फैरिक ऑक्साइड और लौह चूर्ण आदि जैसे उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों का उत्पादन भी शुरू कर रही है । 2615 करोड रूपए के इसके योजना परिव्यय का अधिकांश भाग छत्तीसगढ में 3 मिलियन टन के इस्पात संयंत्र के लिए निर्धारित किया गया है । योजना परिव्यय की शेष धनराशि में बैलाडिला डिपाजिट 11 बी कुमारस्वामी लौह अयस्क परियोजना, दौणिमल्लै में पेलेटाइजेशन प्लांट, एएमआर/टाउनशिप तथा अनुसंधान एवं विकास स्कीमें इत्यादि शामिल हैं।

7.05. **केआईओसीएल लिमिटेड:** केआईओसीएल लिमिटेड की स्थापना ईरान को निर्यात किए जाने हेतु लौह अयस्क सांद्रण का उत्पापदन करने के लिए की गई थी। ईरान द्वारा करार के अनुसार लौह अयस्क सांद्रण को लेने की असमर्थता के परिणामस्वरूप 3 मिलियन टन सांद्रण का उपयोग करने के लिए एक पैलेट संयंत्र लगाने को मई, 1981 में मंजूर किया गया था। 116.65 करोड़ रूपए की लागत से कार्यान्वित हुई इस परियोजना में वाणिज्यिक उत्पादन अप्रैल, 1987 में शुरू किया गया था। तथपि, माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार कंपनी को कुद्रेमुख में दिनॉक 31.12.2005 से खनन कार्य रोकना पड़ा था। योजना परिव्यय का प्रावधान मुख्यत: एएमआर स्कीमों और कोक ओवन संयंत्र के लिए किया गया है। अनुसंधान एवं विकास/व्यहार्यता अध्ययन इत्यादि अन्य स्कीमों के रूप में परिव्यय में शामिल की गई हैं। परिव्यय को कंपनी के आंतरिक एवं बाह्य बजटीय संसाधनों से पूरा किया जा रहा है।

7.06. **मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड:** मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड भारत सरकार और मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट सरकार के संयुक्त स्वामित्व वाली कंपनी है । यह देश की मैंगनीज अयस्क की सबसे बडी उत्पादक है । लाभप्रदता में सुधार करने के लिए कंपनी ने इलैक्ट्रोलिटिक मैंगनीज डाईऑकसाइड और फैरो मैंगनीज जैसे मूल्य वर्धित उत्पादों का उत्पादन शुरू किया है । परिव्यय का अधिकांश भाग फैरो मैंगनीज/सिलिको मैंगनीज प्लांट के लिए सेल के साथ संयुक्त उद्यम में निवेश करने (25 करोड रूपए), बोबिली में फैरो मैंगनीज प्लांट के लिए आरआईएनएल के साथ संयुक्त उद्यम में निवेश करने (10 करोड रूपए), उकवा खान में वर्टिकल शॉफ्ट स्थापित करने, एएमआर स्कीमों, टाउनशिप, अनुसंधान एवं विकास/व्यवहार्यता अध्ययन इत्यादि के लिए आबंटित किया गया है । पूरे परिव्यय को कंपनी के आंतरिक एवं बाह्य बजटीय संसाधनों से पूरा किया जाएगा ।

7.07. **बर्ड ग्रुप कंपनियां:** अक्टूबर, 1980 में भारत सरकार द्वारा अधिग्रृहीत बर्ड ग्रुप कंपनियां प्रमुख रूप से खनन से संबंधित कार्य और गहरे नल कूप लगाने तथा खनिज गवेषण से संबंधित कार्य कर रही है । भारत सरकार ने बर्डग्रुप कंपनियों के पुनर्संरचना प्रस्ताव को दिनांक 10.9.2009 को अनुमोदन प्रदान कर दिया है । यह प्रावधान वन रोपण तथा पट्टा मामलों, खनिज और अयस्क आधारित खोजी कार्यकलापों तथा एएमआर योजनाओं के लिए किया गया है । इस परिव्यय की व्यवस्था कंपनी के आंतरिक तथा बाहा बजटीय संसाधनों से की जाएगी ।

7.08. **मेकॉन लिमिटेड:** यह आई एस ओ: 9001 प्राप्त देश का प्रथम परामर्शदात्री और इंजीनियरी संगठन है । यह कंपनी न केवल बेसिक इंजीनियरी, विस्तृत इंजनियरी, परियोजना प्रबंधन आदि के क्षेत्र में परामर्शी सेवाएं प्रदान करती है अपितु इसने लौह, अलौह, तेल एवं गैस, पेट्रो-रसायन और अन्य सामान्य उद्योगों के लिए उपस्कारो के डिजायन और उनकी आपूर्ति में पर्याप्त विशेषज्ञता भी विकसित कर ली है । इसके योजना परिव्यय में विभिन्न स्थापनों में कार्यालय परिसर/ अतिथि गृह का विस्तार और नवीनीकरण शामिल है ।

7.09. **एम एस टी सी लिमिटेड:** यह कंपनी भारत सरकार की एक व्यापारिक कंपनी है जो फैरस स्क्रैप और एकीकृत इस्पात संयंत्रों में उत्पादन के दौरान उत्पन्न अन्य गौण सामग्रियों के निपटान तथा अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों और सरकारी विभागों के स्क्रैप और अधिशेष भंडारों के निपटान का कार्य करती है । माध्यमीकरण समाप्त कर दिए जाने के पश्चात कंपनी के पास कोई माध्यामीकृत मद नहीं है और यह निजी क्षेत्र के साथ प्रतिस्पर्धा में वास्तविक उपभोक्ताओं की आवश्याकताओं के अनुसार अन्य मदों के साथ – साथ स्क्रैप का आयात करती है । योजना परिव्यय का प्रावधान नई स्कीमों को आरंभ करने के लिए किया गया है जिसकी व्यवस्था कंपनी के आंतरिक एवं बाह्य बजटीय संसाधनों से की जानी है ।

7.10. **फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड:** एफएसएनएल एमएसटीसी लि. की 100 प्रतिशत सहायक कंपनी बन गई है । कंपनी दुर्गापुर, राउरकेला, बर्नपुर, भिलाई, बोकारो, विशाखापट्टणम और डोल्वी में स्थित इस्पात संयंत्र से स्क्रैप की प्राप्ति और प्रक्रमण का कार्य करती है । स्लैग के प्रक्रमण और डम्पों से लोहे और इस्पात के पुन: संसाधन हेतु कंपनी को विभिन्न प्रकार के उपस्करों और आधुनिक प्रौद्यौगिकी पर निर्भर होना पडता है । योजना परिव्यय ए एम आर योजनाओं से संबंधित व्यय को पूरा करने के लिए है जिसे कंपनी के आंतरिक और बाह्य बजटीय संसाधनों से पूरा किया जाएगा ।

8. **अन्य कार्यक्रम:** इसमें लोहा एवं इस्पात विकास आयुक्त, कोलकाता कार्यालय कि मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय है, के स्थापना व्यय और प्रसिद्ध धातुकर्मियों को दिए जाने वाले वार्षिक पुरस्कारों का प्रावधान शामिल है । यद्यपि लोहा एवं इस्पात विकास आयुक्त का कार्यालय और इसके 4 क्षेत्रीय कार्यालय दिनांक 23.5.2003 से बंद कर दिए गए है फिर भी शेष स्टॉफ के वेतन और अन्य प्रशासनिक खर्चों का प्रावधान किया गया है क्योंकि डीओपीटी के दिशा – निर्देशों के अनुसार अधिशेष कर्मचारी तब तक अपने वेतन का आहरण करते रहेंगे जब तक कि वे दूसरे पदों पर नियुक्त होते है अथवा वे अधिवर्षिता/त्याग पत्र/ स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति पर कार्यालय छोड देते हैं ।